Marking Scheme

BSEH Practice Paper (March-2024)

CLASS: 10th (Secondary) (Maximum Marks: 20) **Code: A**

हिंदुस्तानी संगीत तबला

(Hindustani Music Tabla) Percussion InstrumentD

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(**½ X 10 = 05**)

....

प्र01 निम्न में से 12 मात्राओं की ताल कौन–सी है? ½

उ0 **(D) A** और **B** दोनों

प्र02 ताल देने के लिए किन वादयों का प्रयोग किया जाता है? ½

उ0 **(D)** उक्त तीनों सही है।

प्र0 3 गायन, वादन और नृत्य की किया में जो समय लगता है उसकी गति को मापने के पैमाने को .... कहते हैं। ½

उ0 ताल

प्र0 4 ताल में लगने वाले समय के एक भाग को ....कहते है। ½

उ0 मात्रा।

प्र0 5 अभिकथन **(A):** ताल को विभिन्न विभागों में बांटा जाता है।

कारण **(R):** कहरवा ताल में 8 मात्राएं होती है।

उ0 **(B) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या नहीं है।

प्र0 6 अभिकथन **(A):** किसी ताल की पहली मात्रा से अतिंम मात्रा तक के पूरे चक्र को आवर्तन कहते है।

कारण **(R):** आवर्तन कई हो सकते है।

उ0 **(A) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र0 7

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. धा धिं धिं धा ।	**1.** एक ताल
B. धिं धिं ।धागे तिरकिट ।	**2.** रूपक ताल
C. तिं तिं ना ।धिं	**3.** कहरवा ताल
D. धा गे ना ति ।	**4.** तीन ताल

उ0 (4) **A-4 B-1 C-2 D-3**

Downloaded from cclchapter.com

प्र0 8

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. एक ताल में विभाग	**1.** 06
B. चौताल में विभाग	**2.** 03
C. रूपक ताल में विभाग	**3.** 12
D. एक ताल मात्राएं	**4.** 06

उ0 (4) **A-4 B-1 C-2 D-3**

प्र0 9 अल्ला रखा खां एक बांसुरी वादक है। (सही /गलत) ½

उ0 गलत

प्र0 10 अल्ला रखा खां का जन्म लखनऊ में हुआ था। (सही/गलत)

उ0 गलत

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(½ X 08 = 04)

प्र0 11 शुद्ध राग का एक उदाहरण दें? ½

उ0 विलावल, कल्याण आदि।

प्र0 12 छायालंग राग का एक उदाहरण दें ? ½

उ0 तिलक कामोद

प्र0 13 सकीर्ण राग का एक उदाहरण दें? ½

उ0 पीलू, भैरवी।

प्र0 14 सम का चिह्न लिखें? ½

उ0 X

प्र0 15 खाली का चिह्न लिखें? ½

उ0 0

प्र0 16 विभाग का चिह्न लिखें। ½

उ0 (|)

प्र0 17 ताली का चिह्न लिखें? ½

उ0 2,3,4,5

Downloaded from cclchapter.com

प्र0 18 मींड का चिह्न लिखें ? ½

उ0 दो या दो से अधिक स्वरों के ऊपर उल्टा अर्द्धचंद्र जैसे– साप

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(2 X 03 = 06)

प्र0 19 तबले के अगों को चित्र सहित वर्णन करें। **2**

उ0 तबले के दो रूप होते है – दाहिना और बायां। दाहिनें तबला जो लकडी का खोखला बना होता है तथा जिस पर खाल मढ़ी होती है। दूसरा बाया तबला या डुग्गी जो मिट्टी अथवा किसी धातु का बना होता है। इस पर भी खाल मढ़ी होती है। दोनों तबलों के विभिन्न अगों को जैसे दाया व बायां किससे बना होता है तथा इसमें पूडी, स्याही, चांटी, मैदान, गजरा, गट्टे, बद्धी, गुडरी आदि बारे चित्र सहित विवरण देने पर पूरे अंक दिये जायेगें।

(अथवा)

प्र019 आमद की परिभाषा दें?

उ0 **आमद** का अर्थ है '' आगमन। आमतौर पर जो रचना किसी नतीजे पर पहुंचने का एहसास या अंतर्ज्ञान देती है, वह आमद है। नृत्य संगीत में, कथक प्रदर्शन की शुरूआत में प्रस्तुत लयबद्ध बोलो के परिचय को आमद कहा जाता है।

प्र0 20 मोहरा की परिभाषा दें? **2**

उ0 **मोहरा – मोहरा और मुखडा मेंकेवल स्थान भेद है।** तबला वादन में ठेका प्रांरभ करने से पूर्व जिस रचना को बजाकर सम पर आते है उसे मोहरा कहते है। यदि ठेका बजाने के बाद या बीच से 9वी या 13वी मात्रा से बजाकर सम पर आते है तो उसे मुखडा कहते है।

प्र0 21 अल्ला रखा खां के जीवन परिचय बारे वर्णन करें। **2**

उ0 **उस्ताद अल्ला रक्खा** का जन्म 29 अप्रैल 1919 में फगवाल ग्राम आज का जिला सांबा में जम्मू में हुआ था। उनकी मातृभाषा डोगरी थी। यह एक भारतीय तबला वादक थे। वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में विशिष्ट स्थान रखते थे। वह सितार वादक रवि शंकर के लगातार संगतकार थे। उनके पुत्र जाकिर हुसैन एक प्रख्यात तबला वादक है। इन्होनें अपना करियर लाहौर में एक सहयोगी के रूप में किया और फिर 1940 में बॉम्बे में ऑल इंडिया रेडियो के एक कर्मचारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होनें कुछ हिंदी फिल्मों के लिए भी संगीत तैयार किया। इनके तीन बेटे थे– जाकिर हुसैन, फ़ज़ल कुरैशी, तौफीक कुरेशी और दो बेटीया थी। इनको पद्म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार आदि से भी सम्मानित किया गया। आखिर में उनका निधन 03 फरवरी 2000 को सिमला हाउस में दिल का दौरा पड़ने पर हो गया।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(2½ X 2 = 05)

Downloaded from cclchapter.com

प्र0 22 उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि की विभिन्नता बारे लिखें तथा उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि की समानता बारे लिखें । **(2½ + 2½) = 05**

उ0 उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि में निम्नलिखित विभिन्नताएं है–

1. दोनों के मद्रं सप्तक के स्वर तो एक जैसे है परन्तु उनके लिखने के चिहन अलग–अलग है जैसे उतर भारतीय संगीत में मद्रं सप्तक में नीचे बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी भारतीय संगीत में स्वरों के ऊपर बिन्दु लगाई जाती है।
2. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में तार सप्तक के स्वरों के उपर बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी संगीत में स्वरों के नीचे हलन्त लगाया जाता है।
3. ताल में सम के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में काटे का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में एक लिखा जाता है।
4. ताल में खाली के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में शून्य का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में जमा अर्थात प्लस का चिहन लिखा जाता है।

उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि की समानता बारे लिखें ।

उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि में निम्नलिखित समानताएं है–

1. **उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि** दोनों के मध्य सप्तक के स्वर एक जैसे है इसमें दोनों कोई चिहन नही लगाते।
2. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में मींड का चिहन स्वरों के उपर उल्टा अद्धचंद्र लगते है।
3. ताल में विभाग के लिए उतर भारतीय संगीत और दक्षिणी संगीत में में एक खडी लम्बी रेखा का निशान लगाया जाता है।
4. ताल में मात्राओं के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में और दक्षिणी संगीत में भी कोई विभिन्नता नही है। दोनों एक जैसे गिनती में एक से शुरू करते है।

(अथवा)

(OR)

चौताल का एक व दो गुन लिखें।

चौताल का एक गुन

चिहन	X		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन

चौताल का दो गुन

चिहन	X		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन

नोट – दो गुन में सभी दो दो बोलो के नीचे अर्द्धचंद्र।

Downloaded from cclchapter.com